

**वफ़ा-जफ़ा स्त्री.** (अर.) प्रेमी और प्रेमिका के पारस्परिक संबंधों में प्रेम और यातना का मिला-जुला व्यवहार।

**वफ़ात स्त्री.** (अर.) मृत्यु, मरण, मर जाने का कार्य, मौत।

**वफ़ादार वि.** [अर.+फा.] 1. अपने स्वामी का सच्चा भक्त 2. हमेशा साथ निभाने वाला विलो. बेवफ़ा।

**वबा स्त्री.** (अर.) महामारी के रूप में फैलने वाला रोग, जिस रोग के कारण अनेक व्यक्तियों की मृत्यु हो, विनाशकारी संक्रामक रोग।

**वबाल पुं.** (अर.) ऐसी मुसीबत जो लाइलाज हो, असाध्य कष्ट, भयंकर दुःख, विपदा।

**वबालेजान पुं.** [अर.+फा.] 1. जी-जान की मुसीबत, तन-मन की भयंकर पीड़ा 2. अत्यंत अप्रिय वातावरण।

**वभु वि.** (तत्.) 1. एक प्रकार का गहरा भूरा रंग, जिस में खाकी, और लाल रंग भी मिला हुआ हो 2. भूरे बालों वाला 3. शिव और विष्णु का विशेषण पु. चित्रांगदा से उत्पन्न अर्जुन का पुत्र वभुवाहन टि. वभु शब्द-‘बभ्रु’ के रूप में भी प्रयुक्त होता है।

**वमन पुं.** (तत्.) 1. उलटी करना, कै करना 2. अंदर से बाहर निकालना 3. कै करके बाहर निकाला हुआ पदार्थ।

**वमि स्त्री.** (तत्.) 1. उलटी करने का रोग, जी मचलने की बीमारी 2. उलटी अथवा कै रोकने की ओषधि 3. ठग, बदमाश 4. आग।

**वमित पुं.** (तत्.) 1. कै करके मुख विवर से निकला हुआ पदार्थ 2. कहीं से निष्कासित व्यक्ति।

**वयःसंधि स्त्री.** (तत्.) बाल्यावस्था और युवावस्था के बीच की उम्र, किशोरावस्था, बाल्यावस्था से किशोर अथवा किशोरी अवस्था में पदार्पण।

**वय स्त्री.** (तत्.) 1. उम्र, आयु, अवस्था 2. युवावस्था, जवानी।

**वयक्रम पुं.** (तत्.) आयु, उम्र, अवस्था, जीवन के विगत वर्ष।

**वयन पुं.** (तत्.) 1. बुनने का कार्य (स्वैटर आदि का) 2. बुनाई (कपड़े आदि की)।

**वयस पुं.** (तत्.) आयु, उम्र, अवस्था, वय, बीते हुए वर्ष।

**वयस्क वि.** (तत्.) सामाजिक, राजनैतिक आदि अधिकार प्राप्त होने की युवाओं की अवस्था, (प्रायः 18 वर्ष से आगे की उम्र) बालिग।

**वयस्थ वि.** (तत्.) 1. युवा, जवान 2. बलवान 3. प्रौढ़ पुं. 1. समसामयिक व्यक्ति 2. बराबर की आयु का व्यक्ति।

**वयस्य पुं.** (तत्.) समान आयु वाला व्यक्ति, समवयस्क, मित्र, सखा, सखी।

**वयोवती वि.** (तत्.) सम्मानित प्रौढ़ा महिला, अनुभव प्राप्त आदरणीय स्त्री।

**वयोवृद्ध वि.** (तत्.) सम्मानित वृद्ध, आयु प्राप्त और अनुभवी पुं. 1. आयु प्राप्त अनुभवी व्यक्ति, सम्मानित वृद्ध 2. बूढ़ा।

**वयोवृद्धि स्त्री.** (तत्.) बुढ़ापा, यौवन के बाद की अवस्था।

**वरंच अव्य.** (तत्.) 1. लेकिन, किन्तु 2. हालाँकि, अपितु, बल्कि।

**वर पुं.** (तत्.) 1. देव 2. देवी से माँगा गया मनोरथ, वरदान, उत्तम, श्रेष्ठ, अग्रणी, कन्या के विवाह हेतु चुना गया व्यक्ति।

**वरक पुं.** (अर.) 1. पृष्ठ, पुस्तक का पन्ना, कागज़ का पन्ना 2. सोना, चाँदी आदि धातुओं के महीन टुकड़ों को पीट-पीट कर बनाए गए पत्र जैसे- चाँदी का वरक, सोने का वरक।

**वरचंदन पुं.** (तत्.) काला चंदन, देवदारु पेड़ की लकड़ी।

**वरजिश स्त्री.** (फा.) शारीरिक व्यायाम, कसरत, शरीर को स्वस्थ रखने वाले शारीरिक अभ्यास।